भारत-नेपाल साहित्य महोत्सव

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के वृंदावन (मथुरा) में तीन दिवसीय **भारत-नेपाल साहित्य महोत्सव** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **उत्सव के बारे में:**
  - यह आयोजन उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की सहायक संस्था गीता शोध संस्थान और क्रांतिधरा साहित्य अकादमी, मेरठ द्वारा आयोजित किया गया।
  - इस महोत्सव में भारत और नेपाल के 180 से अधिक साहित्यकार, लेखक, पत्रकार और शिक्षाविद् शामिल हुए।
  - इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के साहित्यिक और सांस्कृतिक धरोहर को प्रोत्साहित और संवर्द्धित करना था।
- **महत्त्व:**
  - साहित्य और संस्कृति के आदान-प्रदान को प्रोत्साहन मिला।
  - भारत और नेपाल के साहित्यकारों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिला।
  - पारंपरिक और समकालीन साहित्य को एक नई दिशा मिली।

भारत -नेपाल संबंध

- पड़ोसी के रूप में **भारत और नेपाल मित्रता एवं सहयोग के अनूठे संबंधों को साझा करते** हैं, जिसकी विशेषता **एक खुली सीमा,** दोनों देशों के लोगों के बीच रिश्तेदारी तथा मज़बूत सांस्कृतिक संबंध है।
- **नेपाल के व्यापारिक व्यापार में** लगभग **दो-तिहाई तथा सेवाओं के व्यापार में लगभग एक-तिहाई योगदान** भारत का है।
- बटालियन स्तर पर संयुक्त सैन्य अभ्यास, '**सूर्य किरण**', भारत तथा नेपाल दोनों देशों में क्रमिक आधार आयोजित किया जाता है।
- भारत तराई क्षेत्र में **10 सड़कों को उन्नत करके**, **जोगबनी-विराटनगर** तथा **जयनगर-बर्दीबास** में सीमा पार रेल संपर्क स्थापित करके एवं **बीरगंज, विराटनगर, भैरहवा व नेपालगंज** जैसे प्रमुख स्थानों पर एकीकृत चेक पोस्ट स्थापित करके नेपाल की मुख्य रूप से सहायता की।
- भारत ने काठमांडू-वाराणसी, लुंबिनी-बोधगया और जनकपुर-अयोध्या को जोड़ने के लिये **तीन सिस्टर-सिटी समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं।**

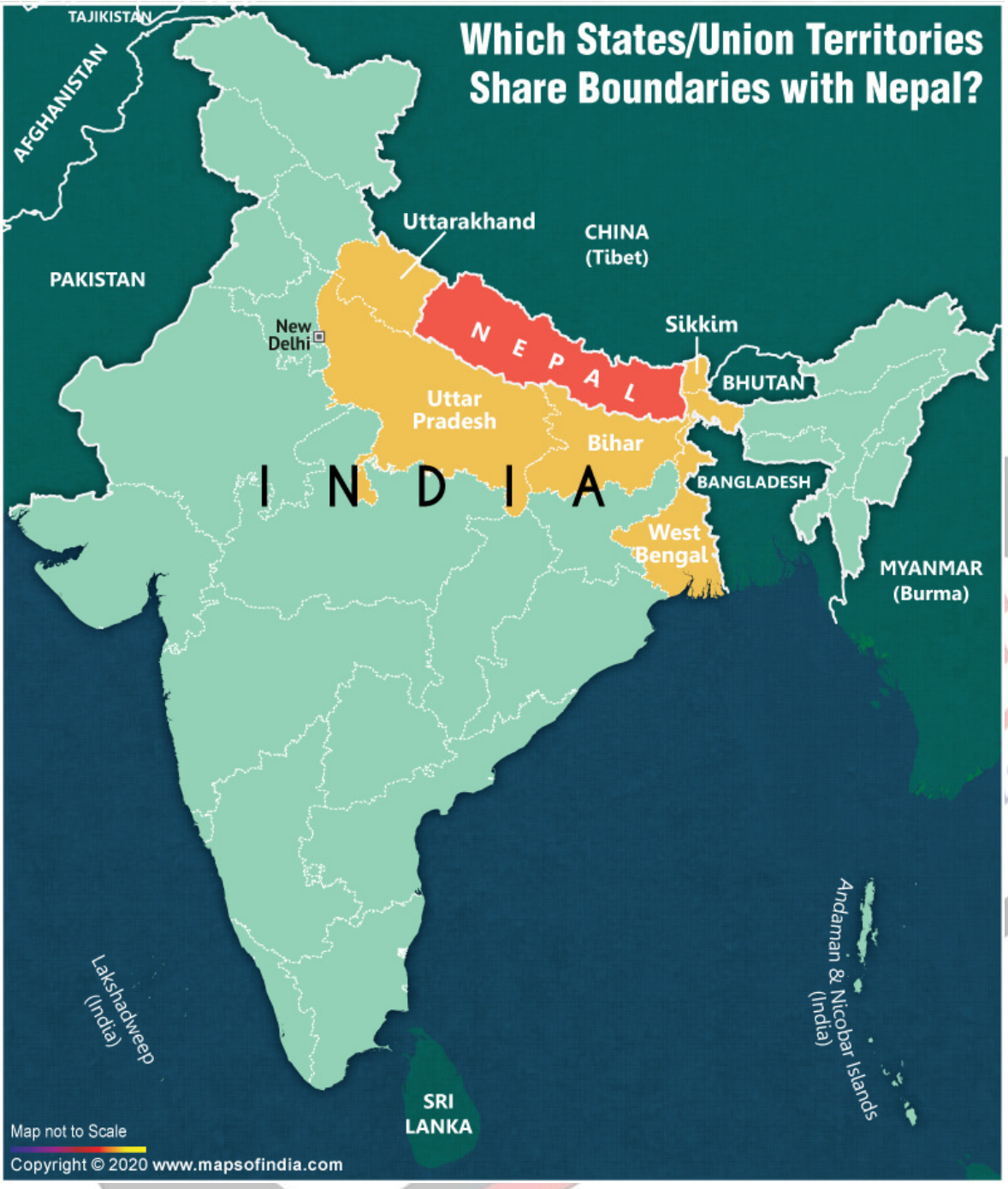

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-nepal-literature-festival